S. S. Jain Subodh P.G. College, Jaipur

(Autonomous)

SYLLABUS

THREE YEAR UNDERGRADUATE PROGRAMME
IN ARTS

As Per NEP-2020 (New Scheme-2023-2024)

Dept. of Sanskrit

एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर

(स्वायत्तशासी)

बी. ए.(संस्कृत) प्रथम सेमेस्टर, प्रथम प्रश्नपत्र

दृश्य, श्रव्य एवं नीति काव्य – प्रथम

पेपर कोड – BASA101 **क्रेडिट** -3 **पूर्णाङ्क** 75 अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन** - 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** - 21अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** – 21 अंक

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1.	9 प्रश्न अतिलघूत्तरात्मक	**9×1= 9**अंक
2.	3 व्याख्याएं या लघूत्तरात्मक प्रश्न	**3×6 = 18**अंक
3.	3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक)	**3×9 = 27**अंक
	सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे	**54** अंक

शिक्षण विधि - व्याख्यान विधि, लेखन विधि, अभ्यास विधि उच्चारण विधि

उद्देश्य - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को दृश्य, श्रव्य काव्य (नाटक), एवं नीति काव्य के माध्यम से संवाद विधि का ज्ञान करवाना व नीति कथाओं के माध्यम से व्यवहारिक ज्ञान करवाना । क्रियात्मक रूप से नाटक संवाद एवं मंचन अभ्यास श्याम पट्ट की सहायता से लेखनाभ्यास ।

परिणाम –

इस पाठ्यक्रम से छात्रों को दृश्य, श्रव्य एवं नीति काव्य का ज्ञान होता है इससे वे विभिन्न शैली के काव्यों को समझ सकेंगे और तत्कालीन साहित्यिक, ऐतिहासिक और कलात्मक विधाओं का ज्ञान प्राप्त करेंगे। नाटक संवाद कला से संस्कृत वार्तालाप का ज्ञान होगा । साहित्य में प्रयुक्त रस,अंलकार, छंद आदि का ज्ञान क्रियात्मक रूप से संस्कृत नाटक का अभ्यास कर सकेंगे ।

पाठ्यक्रम-

इकाई-प्रथम स्वप्नवासवदत्तम् (प्रथम तीन अंक)।

श्लोकों का प्रसंग , अनुवाद एवं व्याख्या, विषय वस्तु संबंधित प्रश्न कवि एवं काव्य परिचय ।

इकाई -द्वितीय नीतिशतकम् (1से 50श्लोक पर्यन्त)

श्लोकों का प्रसंग, अनुवाद एवं व्याख्या, सुक्तियां, विषय वस्तु संबंधित प्रश्न कवि एवं काव्य परिचय ।

इकाई - तृतीय हितोपदेश (मित्रलाभ) प्रथम तीन कथा (अंधा गिद्ध,बिलाव, पक्षियों की कथा तक) - कथा परिचय ,सार , प्रसंग, अनुवाद एवं व्याख्या विषय वस्तु संबंधित प्रश्न, कवि एवं काव्य परिचय ।

सहायक ग्रंथ/संदर्भ ग्रंथ

स्वप्नवासवदत्तम् -महाकवि भास विरचित ।

नीतिशतकम् - कवि भर्तृहरि ।

हितोपदेश (मित्रलाभ) - नारायण पण्डित ।

एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर

(स्वायत्तशासी)

बी. ए.(संस्कृत) प्रथम सेमेस्टर, द्वितीय प्रश्नपत्र

भारतीय संस्कृति के मूल तत्व,व्याकरण एवं अनुवाद –प्रथम

पेपर कोड – BASA102 **क्रेडिट** -3 **पूर्णाङ्क** 75 अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** – 21 अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** – 21 अंक

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1.	9 प्रश्न अतिलघूत्तरात्मक	**9×1= 9**अंक
2.	3 व्याख्याएं या लघूत्तरात्मक प्रश्न	**3×6 = 18**अंक
3.	3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक)	**3×9 = 27**अंक
	सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे	**54** अंक

शिक्षण विधि - क्रमानुसार पाठन, लेखन विधि, व्याकरण अभ्यास, सूत्रों का अर्थ ज्ञान, मूल्यांकन विधि ।

उद्देश्य- संस्कृत भाषा की प्राचीनता व्याकरणात्मक शैली है। भाषा को जानने के लिए व्याकरण ज्ञान अत्यावश्यक है।इस पाठ्यक्रम से छात्रों को भाषा का प्रारंभिक ज्ञान, वर्णाक्षर ज्ञान,शब्द, क्रिया रूप ज्ञान होता है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य लघु सिद्धांत कौमुदी के अनुसार व्याकरण के मूल स्वरूप को जानना है।

परिणाम –

इस पाठ्यक्रम से भारतीय संस्कृति तथा पाणिनीय व्याकरण ज्ञान की बारीकियों को छात्र समझ सकेंगे। इस व्याकरणात्मक पाठ्यक्रम से वर्ण,शब्द, संधि ,समास , प्रत्यय आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकगें ।

पाठ्यक्रम-

इकाई प्रथम भारतीय संस्कृति के मूल तत्व -- विषय,पृष्ठभूमि एवं विशेषताएं भारतीय संस्कृति के विकास की रुपरेखा (पूर्व वैदिक काल से आधुनिक काल तक)

द्वितीय इकाई व्याकरण -- संज्ञा एवं अच् संधि प्रकरण सूत्र एवं रुप सिद्धि

तृतीय इकाई अनुवाद -- शब्द एवं धातु रूप ज्ञान **,** कर्ता एवं क्रिया सम्बन्धी अनुवाद

अकारान्त, इकारान्त तथा सर्वनाम शब्द, धातुरुप – लट्, लृट्,लङ्,लोट् तथा विधिलिङ्ग ।

सहायक ग्रंथ/संदर्भ सूची –

भारतीय संस्कृति के मूल तत्व

हिंदू संस्कार- राजबली उपाध्याय

भारतीय धर्म शास्त्र का इतिहास- डॉ.पी.वी. काणे ।

लघु सिद्धांत कौमुदी - भीम सेन त्यागी ।

लघु सिद्धांत कौमुदी - अर्क नाथ चौधरी ।
रचना अनुवाद कौमुदी - कपिल देव द्विवेदी
अनुवाद चंद्रिका

एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर

(स्वायत्तशासी)

बी. ए.(संस्कृत) द्वितीय सेमेस्टर, प्रथम प्रश्नपत्र

दृश्य, श्रव्य एवं नीति काव्य – द्वितीय

पेपर कोड – BASA201 क्रेडिट -3 **पूर्णाङ्क** 75 अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** – 21 अंक

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1.	9 प्रश्न अतिलघूत्तरात्मक	**9×1= 9**अंक
2.	3 व्याख्याएं या लघूत्तरात्मक प्रश्न	**3×6 = 18**अंक
3.	3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक)	**3×9 = 27**अंक
	सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे	**54** अंक

उद्देश्य - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को दृश्य, श्रव्य काव्य (नाटक), एवं नीति काव्य के माध्यम से संवाद विधि का ज्ञान करवाना व नीति कथाओं के माध्यम से व्यवहारिक ज्ञान करवाना क्रियात्मक रूप से नाटक संवाद एवं मंचन अभ्यास श्याम पट्ट की सहायता से लेखनाभ्यास । अनेक पशु पक्षियों की कथाओं व दंतकथाओं के माध्यम से नीति साहित्य का ज्ञान करवाना है ।

परिणाम –

इस पाठ्यक्रम से छात्रों को दृश्य, श्रव्य एवं नीति काव्य का ज्ञान होता है इससे वे विभिन्न शैली के काव्यों को समझ सकेंगे और तत्कालीन साहित्यिक, ऐतिहासिक और कलात्मक विधाओं का ज्ञान प्राप्त करेंगे। नाटक संवाद कला से संस्कृत वार्तालाप का ज्ञान होगा । साहित्य में प्रयुक्त रस,अंलकार, छंद आदि का ज्ञान क्रियात्मक रूप से संस्कृत नाटक का अभ्यास कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम-

इकाई-प्रथम स्वप्नवासवदत्तम् (4 से 6 अंक तक)।
श्लोकों का प्रसंग, अनुवाद एवं व्याख्या, विषय वस्तु संबंधित प्रश्न कवि एवं काव्य परिचय ।
इकाई -द्वितीय नीतिशतकम् (51से 125 श्लोक पर्यन्त)
श्लोकों का प्रसंग, अनुवाद एवं व्याख्या, सुक्तियां, विषय वस्तु संबंधित प्रश्न कवि एवं काव्य परिचय ।
इकाई - तृतीय हितोपदेश (मित्रलाभ) षष्ठ अध्याय से समाप्ति तक (मृग काक कथा से समाप्ति तक) कथा परिचय ,सार , प्रसंग, अनुवाद एवं व्याख्या विषय वस्तु संबंधित प्रश्न, कवि एवं काव्य परिचय ।

सहायक ग्रंथ/संदर्भ ग्रंथ

स्वप्नवासवदत्तम् -महाकवि भास विरचित ।
नीतिशतकम् - कवि भर्तृहरि ।
हितोपदेश (मित्रलाभ) - नारायण पण्डित ।

एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर

(स्वायत्तशासी)

बी. ए.(संस्कृत) द्वितीय सेमेस्टर, द्वितीय प्रश्नपत्र

भारतीय संस्कृति के मूल तत्व,व्याकरण एवं अनुवाद – द्वितीय

पेपर कोड – BASA202 **क्रेडिट** -3 **पूर्णाङ्क** 75 अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** – 21 अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** – 21 अंक

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1.	9 प्रश्न अतिलघूत्तरात्मक	**9×1= 9**अंक
2.	3 व्याख्याएं या लघूत्तरात्मक प्रश्न	**3×6 = 18**अंक
3.	3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक)	**3×9 = 27**अंक
	सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे	**54** अंक

शिक्षण विधि- क्रमानुसार पाठन, लेखन विधि, व्याकरण अभ्यास, सूत्रों का अर्थ ज्ञान, मूल्यांकन विधि ।

उद्देश्य- संस्कृत भाषा की प्राचीनता व्याकरणात्मक शैली है। भाषा को जानने के लिए पाणिनि व्याकरण ज्ञान अत्यावश्यक है।इस पाठ्यक्रम से छात्रों को भाषा का प्रारंभिक ज्ञान, वर्णाक्षर ज्ञान,शब्द, क्रिया रूप ज्ञान होता है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य लघु सिद्धांत कौमुदी के अनुसार व्याकरण के मूल स्वरूप को जानना है।

परिणाम –

इस पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद पाणिनीय व्याकरण ज्ञान की बारीकियों को छात्र समझ सकेंगे। इस व्याकरणात्मक पाठ्यक्रम से वर्ण,शब्द, संधि ,समास ,प्रत्यय आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकगें ।

पाठ्यक्रम-

इकाई प्रथम - भारतीय संस्कृति के मूल तत्व (वर्ण, आश्रम, एवं संस्कार)

इकाई द्वितीय- व्याकरण (हल् एवं विसर्ग संधि) सूत्र एवं रुपसिद्धि

इकाई तृतीय –अनुवाद (शब्द रूप एवं धातु रूप ज्ञान,कारक,उपपद विभक्ति प्रयोग)

सहायक ग्रंथ/संदर्भ सूची –

भारतीय संस्कृति के मूल तत्व
हिंदू संस्कार- राजबली उपाध्याय
भारतीय धर्म शास्त्र का इतिहास- डॉ.पी.वी. काणे ।
लघु सिद्धांत कौमुदी - भीमसेन त्यागी ।
लघु सिद्धांत कौमुदी - अर्कनाथ चौधरी ।
रचना अनुवाद कौमुदी - कपिल देव द्विवेदी
अनुवाद चंद्रिका

एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर

(स्वायत्तशासी)

बी. ए.(संस्कृत) तृतीय सेमेस्टर, प्रथम प्रश्नपत्र

वैदिक साहित्य, गद्य साहित्य एवं व्याकरण -प्रथम

पेपर कोड – BASA301 **क्रेडिट** -3 पूर्णाङ्क – 75 अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** - 21अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** – 21 अंक

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1.	9 प्रश्न अतिलघूत्तरात्मक	**9×1= 9**अंक
2.	3 व्याख्याएं या लघूत्तरात्मक प्रश्न	**3×6 = 18**अंक
3.	3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक)	**3×9 = 27**अंक
	सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे	**54** अंक

शिक्षण विधि - क्रमानुसार अध्ययन, उच्चारण अभ्यास व्याकरण ज्ञान विधि, अनुवाद विधि, मूल्यांकन विधि ।

उद्देश्य - इस पाठ्यक्रम से छात्रों को वैदिक साहित्य में प्रयुक्त देवताओं के स्तुति मंत्र देवताओं के चरित्र चित्रण की जानकारी देना है पंचतंत्र-अपरीक्षित कारक के माध्यम से नीति काव्य,गद्य साहित्य तथा अनेक कथाओं के माध्यम से व्यवहारिक ज्ञान करवाना है व्याकरण ज्ञान से भाषा में शब्द रूप एवं सूत्र ज्ञान के महत्व को लघु सिद्धांत कौमुदी के अनुसार प्रस्तुत करना है ।

पाठ्यक्रम –**इकाई प्रथम- (क) वैदिक साहित्य** -- ऋग्वेद के प्रमुख सूक्त (1)अग्नि सूक्त 1/1, (2)वरुण सूक्त1/25, (3)इन्द्र सूक्त 2/12, (4)क्षेत्रपति सूक्त 4/57। सूक्त के मंत्रों का अनुवाद, प्रसंग, परिचय ।(देवताओं के चरित्र, स्वरूप संबंधित प्रश्न, सूक्त सार)

(ख) कठोपनिषद (प्रथम अध्याय प्रथम वल्ली) विषय वस्तु संबंधित प्रश्न, सप्रसंग अनुवाद ।

इकाई द्वितीय -गद्य साहित्य

पंचतंत्र -अपरीक्षित कारक (पं.विष्णु शर्मा प्रणीत)

प्रथम कथा (क्षपणक कथा), से षष्ठ कथा (रासभश्रृगालकथा) तक ।

इकाई तृतीय - व्याकरण (अजन्त प्रकरण) सूत्र एवं सिद्धि (लघुसिद्धान्तकौमुदी अनुसार)

राम,सर्व,हरि,रमा,मति, नदी, ज्ञान ,गुरु , शब्द

सूत्र ज्ञान, रुप सिद्धि।

सहायक ग्रंथ/संदर्भ सूची -

वैदिक सूक्त संग्रह , वैदिक सूक्त मुक्तावलि,ऋक् सूक्त संग्रह,

पंचतंत्र (विष्णु शर्मा प्रणीत)

लघुसिद्धांत कौमुदी भैमी व्याख्या भीमसेन जोशी कृत

परिणाम –

इस पाठ्यक्रम से छात्रों को वैदिक साहित्य में प्रयुक्त देवताओं का परिचय मिलता है पंचतंत्र की कथाओं के माध्यम से व्यवहारिक ज्ञान कल्पनाशिलता,विचारशिलता का तथा वस्तुस्थिति का ज्ञान करवाना है कथाओं से संवाद शैली का ज्ञान तथा शब्द रूप से विभक्ति , कारक परिचय मिलता है।

एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर

(स्वायत्तशासी)

बी. ए.(संस्कृत) तृतीय सेमेस्टर, द्वितीय प्रश्नपत्र

नाटक, छंद एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास –प्रथम

पेपर कोड – BASA302 **क्रेडिट** -3 पूर्णाङ्क –75 अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** – 21अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** – 21 अंक

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1.	9 प्रश्न अतिलघूत्तरात्मक	**9×1= 9**अंक
2.	3 व्याख्याएं या लघूत्तरात्मक प्रश्न	**3×6 = 18**अंक
3.	3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक)	**3×9 = 27**अंक
	सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे	**54** अंक

शिक्षण विधि -व्याख्यान विधि, आगमन विधि, अभ्यास विधि, उच्चारण , लेखन, प्रश्नोत्तर, व्याकरणात्मक ज्ञान ।

उद्देश्य - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य नाटक की रुपरेखा, काव्य सौंदर्य, भाषा शैली , संवाद आदि प्रमुख आयामों का परिचय करवाना है छंद ज्ञान के माध्यम से पद्य उच्चारण का ज्ञान प्राप्त करना है । संस्कृत साहित्य के इतिहास में प्राचीन काल की वस्तु स्थिति , सामाजिक, राजनैतिक, ऐतिहासिक तथा साहित्यिक ज्ञान करवाना है ।

पाठ्यक्रम -

इकाई प्रथम –अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथम अंक से चतुर्थ अंक तक)

काव्य एवं कवि परिचय सप्रसंग व्याख्या अंक परिचय,अंक सार , प्रश्नोत्तर ,पात्र चरित्र चित्रण ।

इकाई द्वितीय- छंद (लक्षण एवं उदाहरण*)*

अनुष्टुप , आर्या, उपजाति,भुजंगप्रयात, वसन्ततिलका, शिखरिणी, मालिनी,शार्दूलविक्रीडित, इन्द्रवज्रा,उपेन्द्रवज्रा,स्रग्धरा,मन्दाक्रान्ता ।

इकाई तृतीय- संस्कृत साहित्य का इतिहास(ऐतिहासिक महाकाव्य रामायण और महाभारत)

महाकाव्य परिचय एवं पात्र परिचय , विषय वस्तु सम्वन्धित प्रश्न ।

सहायक ग्रंथ/संदर्भ सूची -

अभिज्ञानशाकुन्तलम् कवि कालिदास विरचित
छंद श्चयनिका , छंद परिचय
संस्कृत साहित्य का इतिहास बलदेव उपाध्याय

परिणाम –

इस पाठ्यक्रम से संस्कृत नाट्यशास्त्र की प्राचीनता, कलात्मकता, नाटक के कला सौष्ठव, समृद्धि का ज्ञान करवाना । नाटक के माध्यम से कल्पना शीलता, विचार शीलता, संवाद शैली का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा । संस्कृत साहित्य के समृद्ध इतिहास को जानने में मदद मिलेगी ।

एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर

(स्वायत्तशासी)

बी. ए.(संस्कृत) चतुर्थ सेमेस्टर -प्रथम प्रश्न पत्र

वैदिक साहित्य,गद्य साहित्य एवं व्याकरण – द्वितीय

पेपर कोड – BASA401 **क्रेडिट** -3 पूर्णाङ्क – 75 अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** - 21अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** – 21 अंक

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1.	9 प्रश्न अतिलघूत्तरात्मक	**9×1= 9**अंक
2.	3 व्याख्याएं या लघूत्तरात्मक प्रश्न	**3×6 = 18**अंक
3.	3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक)	**3×9 = 27**अंक
	सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे	**54** अंक

शिक्षण विधि -व्याख्यान , क्रमानुसार पाठन, लेखन विधि, व्याकरण अभ्यास, अनुवाद , मूल्यांकन विधि

उद्देश्य - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य नाटक की रुपरेखा, काव्य सौंदर्य, भाषा शैली , संवाद आदि प्रमुख आयामों का परिचय करवाना है छंद ज्ञान के माध्यम से पद्य उच्चारण का ज्ञान प्राप्त करना है । संस्कृत साहित्य के इतिहास में प्राचीन काल की वस्तु स्थिति , सामाजिक, राजनैतिक, ऐतिहासिक तथा साहित्यिक ज्ञान करवाना है ।

पाठ्यक्रम

इकाई प्रथम -वैदिक साहित्य।

क. ऋग्वेद सूक्त १.विश्वेदेवा 8/58,२. प्रजापति सूक्त 10/121, ३.संज्ञान सूक्त 10/191

ख.**ईशावास्योपनिषद्**।

इकाई द्वितीय-गद्य साहित्य पंचतंत्र-अपरीक्षित कारक

सप्तम कथा से समाप्ति तक (मंथर कौकिल कथा से ब्राह्मण कर्कट कथा तक)।

इकाई तृतीय -व्याकरण (हलन्त प्रकरण) सूत्र एवं रुपसिद्धि लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार

(राजन्, भगवत् , विद्वस्, युष्मद्, अस्मद्, चतुर् शब्द)

सहायक ग्रंथ/संदर्भ सूची

ऋक् सूक्तसंग्रह

वैदिक सूक्त सुक्तावली

ईशावास्योपनिषद –हनुमान प्रसाद पोद्दार

पंचतंत्र पं विष्णु शर्मा – व्याख्याकार श्यामाचरण पाण्डेय

परिणाम –

इस पाठ्यक्रम से छात्रों को वैदिक साहित्य में प्रयुक्त देवताओं का परिचय मिलता है पंचतंत्र की कथाओं के माध्यम से व्यवहारिक ज्ञान कल्पनाशिलता,विचारशीलता का तथा वस्तुस्थिति का ज्ञान करवाना है कथाओं से संवाद शैली का ज्ञान तथा शब्द रूप से विभक्ति , कारक परिचय मिलता है।

एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर

(स्वायत्तशासी)

बी. ए.(संस्कृत) चतुर्थ सेमेस्टर - द्वितीय प्रश्न पत्र

नाटक, अलंकार एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास– द्वितीय

पेपर कोड – BASA402 **क्रेडिट** -3 पूर्णाङ्क – 75 अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** - 21अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** – 21 अंक

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1.	9 प्रश्न अतिलघूत्तरात्मक	**9×1= 9**अंक
2.	3 व्याख्याएं या लघूत्तरात्मक प्रश्न	**3×6 = 18**अंक
3.	3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक)	**3×9 = 27**अंक
	सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे	**54** अंक

शिक्षण विधि - - व्याख्यान विधि, लेखन विधि,अभ्यास विधि, उच्चारण व्याकरण ज्ञान

उद्देश्य - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य नाटक की रुपरेखा, काव्य सौंदर्य, भाषा शैली , संवाद आदि प्रमुख आयामों का परिचय करवाना है छंद ज्ञान के माध्यम से पद्य उच्चारण का ज्ञान प्राप्त करना है । संस्कृत साहित्य के इतिहास में प्राचीन काल की वस्तु स्थिति , सामाजिक, राजनैतिक, ऐतिहासिक तथा साहित्यिक ज्ञान करवाना है ।

पाठ्यक्रम

इकाई प्रथम -अभिज्ञानशाकुन्तलम् पंचम अंक से सप्तम अंक तक।

कवि, काव्य परिचय,सप्रसंग व्याख्या, अंक सार,प्रश्नोत्तर ,पात्र परिचय

इकाई द्वितीय -अंलकार लक्षण एवं उदाहरण

अनुप्रास,यमक,श्लेष,वक्रोक्ति, उपमा,रुपक,उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति,अप्रस्तुत, प्रशंसा ।

इकाई तृतीय- आधुनिक संस्कृत साहित्य (राजस्थान प्रान्त के संदर्भ में)।

कवि एवं काव्य परिचय अम्बिकादत्त व्यास, पं. मधुसूदन ओझा, मथुरानाथ शास्त्री, नवलकिशोर कांकर, पं मोहन लाल पाण्डेय, डॉ. कलानाथ शास्त्री, पं, गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, नित्यानन्द शास्त्री

सहायक ग्रंथ/संदर्भ सूची -

अभिज्ञानशाकुन्तलम् कवि कालिदास विरचित
छंद श्चयनिका , छंद परिचय
संस्कृत साहित्य का इतिहास बलदेव उपाध्याय

परिणाम –

इस पाठ्यक्रम से संस्कृत नाट्यशास्त्र की प्राचीनता, कलात्मकता, नाटक के कला सौष्ठव, समृद्धि का ज्ञान करवाना । नाटक के माध्यम से कल्पना शीलता, विचार शीलता, संवाद शैली का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा । संस्कृत साहित्य के समृद्ध इतिहास को जानने में मदद मिलेगी ।

एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर

(स्वायत्तशासी)

बी. ए.(संस्कृत) पंचम सेमेस्टर - प्रथम प्रश्न पत्र

भारतीय दर्शन एवं व्याकरण—प्रथम

पेपर कोड – BASA501 **क्रेडिट** -3 पूर्णाङ्क –75 अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** - 21अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** – 21 अंक

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1.	9 प्रश्न अतिलघूत्तरात्मक	**9×1= 9**अंक
2.	3 व्याख्याएं या लघूत्तरात्मक प्रश्न	**3×6 = 18**अंक
3.	3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक)	**3×9 = 27**अंक
	सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे	**54** अंक

शिक्षण विधि - व्याख्यान विधि, लेखन अभ्यास, परिचर्चा क्रमानुसार अध्ययन, उच्चारण अभ्यास, मूल्यांकन विधि

उद्देश्य - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भारतीय दर्शन एवं तत्वज्ञान से विद्यार्थियों को अवगत करवाना, श्रीमद्भगवद्गीता के सिद्धांतों के बारे में प्रयुक्त दार्शनिक जानकारी देना है व्याकरण ज्ञान के माध्यम से व्यवहारिक संस्कृत भाषा का ज्ञान करवाना है

पाठ्यक्रम

इकाई प्रथम -श्रीमद्भगवत्गीता द्वितीय अध्याय।

श्लोक का सप्रसंग अनुवाद एवं व्याख्या, विषय वस्तु संबंधित प्रश्न ।

इकाई द्वितीय -तर्क संग्रह अन्नम भट्ट प्रत्यक्ष परिच्छेद

विषय परिचय एवं शब्दार्थ, सप्रसंग अनुवाद एवं व्याख्या विषय वस्तु संबंधित प्रश्न

इकाई तृतीय - व्याकरण तिङन्त प्रकरण सूत्र एवं रुप सिद्धि(लघुसिद्धान्त कौमुदी के अनुसार)

प्रमुख धातु -पठ्, भू, गम् पच् ,एध्,अस्

प्रमुख लकार- लट्,लुट्,लृट्,लोट्,लङ् लिङ् (वर्तमान काल, भूतकाल, भविष्यत्काल, आज्ञार्थ , विधिलिङ्ग लकार)

सहायक ग्रंथ/संदर्भ सूची –

श्रीमद्भगवत्गीता गीताप्रेस

तर्कसंग्रह (अन्नम भट्ट)

लघुसिद्धान्त कौमुदी भैमी व्याख्या

पाठ्यक्रम परिणाम- इस पाठ्यक्रम से छात्रों को प्रमुख दार्शनिक जानकारी , निष्काम कर्म, भक्ति योग, ज्ञान योग तथा गीता में भगवान कृष्ण के उपदेश का ज्ञान प्राप्त होगा । तर्क संग्रह से तत्वज्ञान दर्शन की महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है। व्याकरण ज्ञान सेशब्दों को जानने में मदद मिलती है ।

एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर

(स्वायत्तशासी)

बी. ए.(संस्कृत) पंचम सेमेस्टर - द्वितीय प्रश्न पत्र

काव्य धर्मशास्त्र एवं निबन्ध

पेपर कोड – BASA502 **क्रेडिट** -3 पूर्णाङ्क –75 अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** - 21अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** – 21 अंक

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1.	9 प्रश्न अतिलघूत्तरात्मक	**9×1= 9**अंक
2.	3 व्याख्याएं या लघूत्तरात्मक प्रश्न	**3×6 = 18**अंक
3.	3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक)	**3×9 = 27**अंक
	सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे	**54** अंक

शिक्षण विधि - व्याख्यान विधि, लेखन अभ्यास, परिचर्चा क्रमानुसार अध्ययन, उच्चारण अभ्यास, मूल्यांकन विधि, कार्यभार योजना

उद्देश्य –इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियो को प्राचीन संस्कृत भाषा के काव्यो, धर्मशास्त्र ग्रन्थो का सामान्य परिचयात्मक ज्ञान कराना है, ताकि जीवन मे उपयोगी प्रमुख नियमो, संस्कारो का ज्ञान प्राप्त कर सके ।

पाट्यक्रम

इकाई प्रथम—रघुवंशम (षष्ठ सर्ग) इन्दुमती स्वयंवर

कथा वस्तु, प्रसंग, श्लोकार्थ, काव्य एवं कवि परिचय, विषय वस्तु संबंधित प्रश्न

इकाई द्वितीय—विदुर नीति (महाभारत उद्योग पर्व अध्याय 34)

कथा वस्तु, प्रसंग, श्लोकार्थ, विषय वस्तु संबंधित प्रश्न

इकाई तृतीय निबन्ध रचना (संस्कृत भाषा)

सदाचारः, आश्रम-व्यवस्था, वर्णधर्मः, सत्संगति, संस्कारः, परोपकारः, संस्कृतभाषा ,विद्यायाः महत्त्वम्, पर्यावरणम् ।

सहायक ग्रंथ/संदर्भ सूची –

रघुवंशम् महाकाव्यम् कालिदास विरचित

विदुर नीति (महाभारत उद्योग पर्व अध्याय 34)

निबन्ध-सौरभम्

संस्कृत निबन्ध संग्रह

परिणाम यह पाठ्यक्रम संस्कृत काव्यो , धर्मशास्त्रग्रन्थो की विभिन्न शैलियो का ज्ञान करवाता है जिससे धर्म, नीति, इतिहास तथा संस्कृत भाषा के लेखन को समझने व सृजन करने की क्षमता का विकास होता है ।

एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर

(स्वायत्तशासी)

बी. ए.(संस्कृत) षष्ठ सेमेस्टर - प्रथम प्रश्न पत्र

भारतीय दर्शन एवं व्याकरण—द्वितीय

पेपर कोड – BASA601 **क्रेडिट** -3 पूर्णाङ्क –75 अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** - 21अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** – 21 अंक

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1.	9 प्रश्न अतिलघूत्तरात्मक	**9×1= 9**अंक
2.	3 व्याख्याएं या लघूत्तरात्मक प्रश्न	**3×6 = 18**अंक
3.	3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक)	**3×9 = 27**अंक
	सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे	**54** अंक

शिक्षण विधि - व्याख्यान विधि, लेखन अभ्यास, परिचर्चा क्रमानुसार अध्ययन, उच्चारण अभ्यास, मूल्यांकन विधि

उद्देश्य - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भारतीय दर्शन एवं तत्वज्ञान से विद्यार्थियों को अवगत करवाना, श्रीमद्भगवद्गीता के सिद्धांतों के बारे में प्रयुक्त दार्शनिक जानकारी देना है व्याकरण ज्ञान के माध्यम से व्यवहारिक संस्कृत भाषा का ज्ञान करवाना है

पाठ्यक्रम

इकाई प्रथम -श्रीमद्भगवत्गीता तृतीय एवं चतुर्थ अध्याय

सप्रसंग श्लोक अनुवाद एवं व्याख्या, विषय वस्तु संबंधित प्रश्न ।

इकाई द्वितीय -तर्क संग्रह अन्नम भट्ट अनुमान से अवशिष्ट परिच्छेद

विषय परिचय एवं शब्दार्थ, सप्रसंग अनुवाद एवं व्याख्या विषय वस्तु संबंधित प्रश्न

इकाई तृतीय - व्याकरण -- तिङन्त प्रकरण एवं स्त्री प्रत्यय मात्र (**लघुसिद्धान्तकौमुदी अनुसार**)

सहायक ग्रंथ/संदर्भ सूची –

श्रीमद्भगवत्गीता गीताप्रेस

तर्कसंग्रह (अन्नम भट्ट)

लघुसिद्धान्त कौमुदी भैमी व्याख्या

पाठ्यक्रम परिणाम- इस पाठ्यक्रम से छात्रों को प्रमुख दार्शनिक जानकारी , निष्काम कर्म, भक्ति योग, ज्ञान योग तथा गीता में भगवान कृष्ण के उपदेश का ज्ञान प्राप्त होगा । तर्क संग्रह से तत्वज्ञान दर्शन की महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है। व्याकरण ज्ञान सेशब्दों को जानने में मदद मिलती है ।

एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर

(स्वायत्तशासी)

बी. ए.(संस्कृत) षष्ठ सेमेस्टर - द्वितीय प्रश्न पत्र

काव्य एवं धर्मशास्त्र

पेपर कोड - **BASA602** **क्रेडिट** -3 पूर्णाङ्क –75 अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** - 21अंक

समयावधि - 45 घंटे **मूल्यांकन**- 54 अंक। **आन्तरिक मूल्यांकन** – 21 अंक

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1.	9 प्रश्न अतिलघूत्तरात्मक	**9×1= 9**अंक
2.	3 व्याख्याएं या लघूत्तरात्मक प्रश्न	**3×6 = 18**अंक
3.	3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक)	**3×9 = 27**अंक
	सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे	**54** अंक

शिक्षण विधि - व्याख्यान विधि, लेखन अभ्यास, परिचर्चा क्रमानुसार अध्ययन, उच्चारण अभ्यास, मूल्यांकन विधि, कार्यभार योजना

उद्देश्य –इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियो को प्राचीन संस्कृत भाषा के काव्यो, धर्मशास्त्र ग्रन्थो का सामान्य परिचयात्मक ज्ञान कराना है, ताकि जीवन मे उपयोगी प्रमुख नियमो, संस्कारो का ज्ञान प्राप्त कर सके ।

पाट्यक्रम

इकाई प्रथम— वाल्मीकि रामायण बालकाण्ड प्रथम सर्ग(मूलरामायण)

कथा वस्तु, प्रसंग, श्लोकार्थ, काव्य एवं कवि परिचय, विषय वस्तु संबंधित प्रश्न

इकाई द्वितीय— इन्द्रविजय नामधेय प्रकरण पं. मधुसूदन ओझा कृत

कथा वस्तु, प्रसंग, श्लोकार्थ, काव्य एवं कवि परिचय, विषय वस्तु संबंधित प्रश्न

इकाई तृतीय मनुस्मृति द्वितीय अध्याय

कथा वस्तु, प्रसंग, श्लोकार्थ, काव्य परिचय, विषय वस्तु संबंधित प्रश्न

सहायक ग्रंथ/संदर्भ सूची –

1.वाल्मीकि रामायण बालकाण्ड प्रथम सर्ग(मूल रामायण)

2.इन्द्रविजय नामधेय प्रकरण पं. मधुसूदन ओझा कृत.

3.मनुस्मृति द्वितीय अध्याय

4.धर्मशास्त्र का इतिहास

परिणाम यह पाठ्यक्रम संस्कृत काव्यो , धर्मशास्त्रग्रन्थो की विभिन्न शैलियो का ज्ञान करवाता है जिससे धर्म, नीति, इतिहास तथा संस्कृत भाषा के लेखन को समझने व सृजन करने की क्षमता

का विकास होता है ।

एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर

(स्वायत्तशासी)

संस्कृतविभाग

मूल्य संवर्धित पाठ्यक्रम

संस्कृत वाङ्मय मे धर्म और संस्कृति

समय घंटे **मूल्यांकन 30 अंक**

उद्देश्य संस्कृत वाङ्मय मे धर्म और संस्कृति इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य संस्कृत वाङ्मय के धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्वरुप से छात्रो को परिचित करवाना है । जिसमे समाज के विभिन्न पक्षो को धर्म की परिभाषा, धर्म के भेद, धार्मिक क्रियायोजना की जानकारी मिलेगी । इस पाठ्यक्रम से भारतीय संस्कृति के आधार वर्ण, आगम, पुरुषार्थ आदि विषयो का ज्ञान प्राप्त कराना है ।

परिणाम इस पाठ्यक्रम के माध्यम से शिक्षार्थी प्राचीन भारत के धार्मिक तथा सांस्कृतिक परम्पराओ जो कि संस्कृत वाङ्मय मे उल्लिखित है से परिचित होगा तथा सनातनी धर्म, आगम संस्कार प्रक्रिया, पुरुषार्थ चतुष्ट्य आदि प्राचीन मूल्यो का ज्ञान प्राप्त करता है ।

शिक्षण विधि व्याख्यानविधि, आगमन, निगमनविधि, ज्ञानात्मक पक्ष तथा मूल्यांकनविधि ।

पाठ्यक्रम संरचना

इकाई प्रथम धर्म की परिभाषा, लक्षण तथा भेद, संस्कृति की परिभाषा व अर्थ, धर्म एवं संस्कृति का महत्त्व तथा विशेषताएं, धर्म के दश लक्षणों का विस्तृत विवेचन ।

इकाई द्वितीय वर्ण धर्म, आश्रम धर्म, संस्कारो का परिचय एवं धार्मिक महत्त्व, पुरुषार्थ के सिद्धान्त तथा महत्त्व, मोक्ष की प्राप्ति हेतु प्रयत्न, ।

इकाई तृतीय सांस्कृतिक माध्यम से धर्म का ज्ञान, स्त्री धर्म, व्यवहार ज्ञान, शुभाशुभ विचार एवं प्रायश्चित्त विचार ।

सहायक ग्रन्थ

1. **भारतीय संस्कृति के मूल आधार**
2. **भारतीय संस्कृति -- शिवदत्त ज्ञानी**
3. **हिन्दू संस्कार –राजबलि पाण्डेय**
4. **मनु स्मृति**

5. याज्ञवल्क्य स्मृति

6. भारतीय धर्मशास्त्र का इतिहास—पी.वी. काणे

एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर

(स्वायत्तशासी)

संस्कृत विभाग

मूल्य संवर्धित पाठ्यक्रम

भाषा विज्ञान के मूल सिद्धान्त

समयावधि **मूल्यांकन 30 अंक**

उद्देश्य यह पाठ्यक्रम भाषाविज्ञान के आधारभूत मूल सिद्धान्तो का परिचय करवाता है । इससे भाषा की परिभाषा,प्रमुख तत्त्व, विशेषताएं, भाषा का साहित्य मे योगदान, उच्चारण स्थान, ध्वनियों के प्रकार आदि के माध्यम से छात्र के भाषाविज्ञान की अवधारणा को समझने योग्य होगा ।

परिणाम भाषा विज्ञान के अध्ययन से भाषा वैज्ञानिकता को समझने मे विद्यार्थी समर्थ होगें । इससे छात्र शब्द व उसके भावार्थ को जानने व विश्लेषण कर सकेंगें तथा भाषा वाक्यो, शब्दो ,वर्णो का शुद्ध उच्चारण करने मे मे समर्थ होंगें ।

शिक्षण विधि क्रमानुसार विषय व्याख्यान, उच्चारण अभ्यास, लेखन विधि, मूल्यांकन, भाषात्मक विश्लेषण, कार्यभार विधि ।

पाठ्यक्रम संरचना

इकाई प्रथम भाषा का अर्थ तथा परिभाषा, भाषा का वर्गीकरण, भाषाविज्ञान का परिचय, तथा भाषा की विशेषताएं ।

इकाई द्वितीय विभिन्न भाषा परिवारो का ज्ञान तथा भाषा विज्ञान के सिद्धान्त ।

इकाई तृतीय ध्वनिपरिचय, प्रकार, उच्चारणस्थान, शब्दो से वर्णविन्यास तथा वाक्यनिर्माण ।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1.भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र कपिलदेव द्विवेदी

2.भाषाविज्ञान कर्णसिंह
3.तुलनात्मक भाषाविज्ञान – भोलानाथ तिवारी
4.भाषाविज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा

एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर

(स्वायत्तशासी)

संस्कृत विभाग

पञ्चाङ्ग परिचय

समयावधि **मूल्यांकन 30 अंक**

उद्देश्य इस पाट्यक्रम से सनातनी काल गणना से शिक्षार्थी को परिचित करवा कर किसी भी कार्य के सम्पादन के लिये विशिष्ट समय का ज्ञान करना ताकि कार्य का श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त किया जा सके ।

परिणाम भारतीय संस्कृति के प्रत्यक्ष आयाम काल अर्थात् समय से परिचित होकर कार्य के परिणाम की श्रेष्ठता को प्राप्त करना ।

शिक्षण विधि व्याख्यानविधि, आगमन, निगमन विधि, ज्ञानात्मक पक्ष तथा मूल्यांकन विधि ।

पाठ्यक्रम संरचना

इकाई प्रथम भारतीय संस्कृति के काल संज्ञक अंग तिथि, वार, नक्षत्र, योग तथा करण आदि पांचों अंगो का सामान्य परिचय साथ ही तिथियों की विशिष्ट संज्ञाओ का ज्ञान ।

इकाई द्वितीय सिद्धि योग, अमृत सिद्धियोग, नक्षत्र स्वामी, तथा नक्षत्रो की मिश्र, क्रूर, चर, उग्र, ध्रुवादि संज्ञाओ का ज्ञान तथा उनमे करणीय कर्म का परिचय, ।

इकाई तृतीय चौघडिया विचार, मुहूर्त प्रकरण (गृहारम्भ-गृहप्रवेश-व्यापारारम्भ-यात्रा मुहूर्त), विवाह मे अष्टकूट ज्ञान, कुण्डली निर्माण ज्ञान ।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1.पञ्चाङ्गविज्ञानम्—डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा
2.बृहदवकहडाचक्रम्---- डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा
3.भारतीय ज्योतिष----- शिवनाथ झारखंडी

4.भारतीय ज्योतिष---गोरख प्रसाद

5.भारतीय कुण्डली विज्ञान – मीठालाल ओझा

एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर

(स्वायत्तशासी)

संस्कृत विभाग

परीक्षा योजना तथा पाठ्यक्रम—2023-2024

(पाठ्यक्रम NEP 2020 तथा CBCS के अनुसार)

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड	प्रश्न पत्र का नाम	प्रश्नपत्र पूर्णांक	आन्तरिक मूल्यांकन	कुल प्राप्तांक	प्रश्लपत्र अवधि
BASA101	**दृश्य श्रव्य एवं नीति काव्य-प्रथम**	54	21	75	3 घंटे
BASA102	**भारतीय संस्कृति के मूल तत्व व्याकरण एवं अनुवाद- प्रथम**	54	21	75	3 घंटे

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र	प्रश्न पत्र का नाम	प्रश्नपत्र पूर्णांक	आन्तरिक मल्यांकन	कुल प्राप्तांक	प्रश्नपत्र अवधि
BASA201	**दृश्य श्रव्य एवं नीति काव्य-द्वितीय**	54	21	75	3 घंटे

BASA202	**भारतीय संस्कृति के मूल तत्व व्याकरण एवं अनुवाद-द्वितीय**	54	21	75	3 घंटे

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र	प्रश्न पत्र का नाम	प्रश्नपत्र पूर्णांक	आन्तरिक मूल्यांकन	कुल प्राप्तांक	प्रश्नपत्र अवधि
BASA301	**वैदिक साहित्य गद्य साहित्य एवं व्याकरण--प्रथम**	54	21	75	3 घंटे
BASA302	**नाटक,छन्द एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास--प्रथम**	54	21	75	3 घंटे

एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर

संस्कृत विभाग

परीक्षा योजना तथा पाठ्यक्रम—2023-2024

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र	प्रश्न पत्र का नाम	प्रश्नपत्र पूर्णांक	आन्तरिक मूल्यांकन	कुल प्राप्तांक	प्रश्नपत्र अवधि
BASA401	**वैदिक साहित्य गद्य साहित्य एवं व्याकरण--द्वितीय**	54	21	75	3 घंटे
BASA402	**नाटक,अलंकार एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास--द्वितीय**	54	21	75	3 घंटे

पंचम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र	प्रश्न पत्र का नाम	प्रश्नपत्र पूर्णांक	आन्तरिक मूल्यांकन	कुल प्राप्तांक	प्रश्नपत्र अवधि
BASA501	**भारतीय दर्शन एवं व्याकरण- प्रथम**	54	21	75	3 घंटे
BASA502	**1. काव्य धर्मशास्त्र - प्रथम** **2. अनुवाद एवं निबन्ध- प्रथम** **3. पंचांग परिचय- प्रथम**	54	21	75	3 घंटे

षष्ट सेमेस्टर

प्रश्नपत्र	प्रश्न पत्र का नाम	प्रश्नपत्र पूर्णांक	आन्तरिक मूल्यांकन	कुल प्राप्तांक	प्रश्नपत्र अवधि
BASA601	**भारतीय दर्शन एवं व्याकरण- द्वितीय**	54	21	75	3 घंटे
BASA602	**1. काव्य धर्मशास्त्र - द्वितीय** **2. अनुवाद एवं निबन्ध- द्वितीय** **3. पंचांग परिचय- द्वितीय**	54	21	75	3 घंटे